Re: Establishment of an Indian Agriculture Research Centre or Agriculture University in Ganganagar Parliamentary Constituency- laid

श्री निहाल चन्द चौहान (गंगानगर): मेरा संसदीय क्षेत्र जिला श्रीगंगानगर एक सीमावर्ती और कृषि प्रधान जिला है, जहाँ मुख्यत: गेहूं, सरसों, जौ, चना, कपास, किन्नू की फसलें बड़ी मात्रा में होती है, इसलिए श्रीगंगानगर को 'खाद्यान का कटोरा' कहा जाता है । देश के इस सीमावर्ती क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर खेती होने के बावजूद भी आज तक यहाँ भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र या कृषि विश्वविद्यालय स्थापित नहीं हो सका है, जो कि इस कृषि संपन्न जिले के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है । माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आय को दोगुना करने और कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक लाने पर बहुत जोर दे रही है, ताकि किसानों को उनकी फसल का अधिकतम मूल्य मिल सके । इसी कड़ी में मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र गंगानगर में भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र या कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए, ताकि इस क्षेत्र के किसानों को नवीनतम कृषि अनुसंधान का लाभ मिल सके, साथ ही यहाँ के कृषि विद्यार्थियों को कृषि संकाय की उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके ।